ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 26 मई 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 58

भुज में मोदी बोले-भारत पर आंख उठाई तो बख्शेंगे नहीं:पाकिस्तान को चेतावनी दी- अपनी रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही

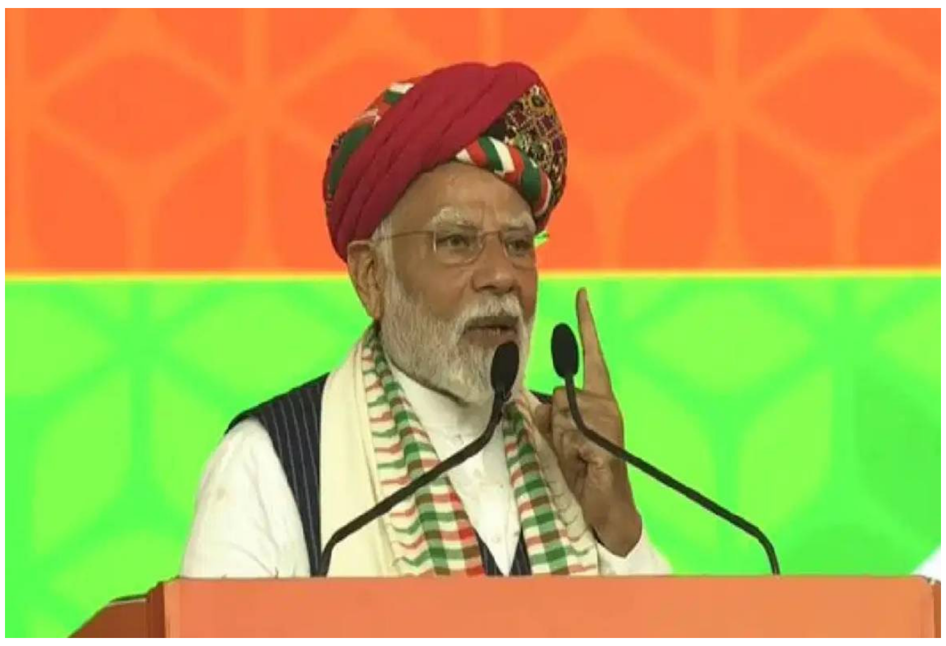

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। भुज में उन्होंने कहा कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही।
इससे पहले, दाहोद में पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया था। कहा, 'जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया।'
मोदी ने कहा, 'आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है।'
मोदी सोमवार सुबह पहले वडोदरा, फिर दाहोद और इसके बाद भुज पहुंचे। तीनों जगह उन्होंने रोड शो किया। दाहोद और भुज में जनसभा की। पीएम ने भुज में 53,400 करोड़ रुपए के 31 प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और ई-लोकार्पण भी किया।
मोदी ने कहा कि 9 मई की रात को कच्छ की सीमा पर भी ड्रोन आए थे। वे (पाकिस्तान) 1971 की जंग भूल गए। कच्छ की माताओं-बहनों ने धूल चटा दी थी। कुछ घंटों में उन्होंने यह रनवे तैयार कर दिया था। कच्छ की उन्हीं माताओं-बहनों ने मुझे आशीर्वाद दिया है। मुझे उन्होंने सिंदूर का पौधा दिया है। आपका दिया हुआ यह पौधा अब पीएम हाउस में लगेगा। अब यह वटवृक्ष बनेगा।
पीएम ने कहा कि भारत विश्व की चौथी बड़ी इकोनॉमी बन गया है। आज पाकिस्तान की हालत क्या है। आज पाकिस्तान के बच्चों-लोगों को सोचना होगा कि आपकी सेना, आपके हुक्मरान आतंक के साए में पल रहे हैं। आपकी सरकार आतंकवाद को समर्थन दे रही है। उनकी सेना के लिए यह पैसा कमाने का जरिया बन गया है। वे आपके भविष्य को नष्ट कर रहे हैं। आपको अंधेरे में धकेल रहे हैं। पाकिस्तान की अवाम को आगे आना होगा।
मोदी ने पाकिस्तान सरकार से कहा कि सुख-चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वर्ना मेरी गोली तो है ही। हमने शांति और समृद्धि का रास्ता चुना है।
पीएम ने कहा कि मैंने देश की सेना को खुली छूट दे दी है। सेना के निशाने पर आतंकियों के हेडक्वॉर्टर्र थे। हमारी सेना ने अगल-बगल में नुकसान पहुंचाए बिना वापस भी आ गए। यह दिखाता है कि हमारी सेना कितनी सक्षम और अनुशासित है। हमने दिखाया कि आतंकवादियों के ठिकानों को मिट्टी मे मिला सकते हैं। यह हमारी सेना की ही ताकत थी कि आज भी पाकिस्तान के सारी एयरवेज आईसीयू में पड़ी हैं।
मोदी ने कहा कि आज कच्छ का टूरिज्म दुनिया में फेमस है। हम टूरिज्म को बढ़ावा भी दे रहे हैं। वहीं, एक पाकिस्तान जैसा देश भी है, जो टेररिज्म को ही टूरिज्म मानता है, जो दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा है

HDFC बैंक में FD कराने पर अब कम ब्याज मिलेगा:1 साल की FD पर 6.50% ब्याज, यहां देखें नई इंटरेस्ट रेट्स

24 न्यूज अपडेट

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) के बाद अब HDFC बैंक ने भी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी FD की ब्याज दरों में की कटौती की है। नई ब्याज दरों के अनुसार अब 1 साल के लिए FD पर सामान्य नागरिकों को 6.50% की दर से ब्याज मिलेगा।
वहीं 2 साल की FD पर सालाना 6.70%, 3 साल की FD पर 6.55% और 5 साल की FD पर 6.30% ब्याज मिलेगा। वरिष्ठ नागरिकों को बैंक 7.35% तक का ब्याज दे रहा है।
इससे पहले इसी महीने SBI ने FD की ब्याज दरों में 0.20% तक की कटौती की थी। SBI में अब 1 साल की FD कराने पर 6.50% ब्याज मिल रहा है। नई ब्याज दरें 16 मई 2025 से लागू हुई हैं। बैंक ने पिछले महीने 15 अप्रैल को भी ब्याज दरों में कटौती की थी।
केनरा बैंक ने भी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी FD की ब्याज दरों में की कटौती की है। नई ब्याज दरों के अनुसार अब 1 साल के लिए FD पर सामान्य नागरिकों को 6.85% की दर से ब्याज मिलेगा।
वहीं 2 साल की FD पर सालाना 6.90%, 3 साल की FD पर 7.00% और 5 साल की FD पर 6.70% ब्याज मिलेगा।

सोना 342 बढ़कर 95,813 पर पहुंचा:चांदी 488 महंगी होकर 97,397 किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 26 मई को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 342 बढ़कर 95,813 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 95,471 प्रति 10 ग्राम थी।
वहीं, चांदी का भाव 488 बढ़कर 97,397 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 96,909 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

ज्योति मल्होत्रा को 14 दिन के लिए जेल भेजा

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को सोमवार को हिसार कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। उसे हिसार की सेंट्रल जेल नंबर-2 में रखा जाएगा, जो कि महिलाओं के लिए है।
उधर, ज्योति का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पाकिस्तान के बाजार में घूम रही है। उसके आसपास AK-47 गन लिए पाकिस्तानी गार्ड्स भी नजर आ रहे हैं। यह वीडियो स्कॉटिश यूट्यूबर कैलुम मिल ने बनाया है।
इस वीडियो में ज्योति, कैलुम से पूछती है कि क्या आप पहली बार पाकिस्तान आए हो? इस पर कैलुम कहते हैं कि मैं पांचवीं बार आया हूं। ज्योति पूछती हैं कि पाकिस्तान आपको कैसा लगा? इस पर कैलुम पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाते हैं।
इसके बाद ज्योति पूछती है- आप कभी इंडिया आए हो? मैं इंडिया से हूं। उसका सवाल सुनकर कैलुम हां कहते हैं। फिर कैलुम ज्योति से पूछते हैं कि आपको पाकिस्तान कैसा लगा? इस पर ज्योति कहती हैं- बहुत पसंद आया।
इकोनॉमिक सेल ने भी पूछताछ की
इससे पहले, हिसार पुलिस की इकोनॉमिक सेल ने ज्योति से 2 दिन पूछताछ की। हालांकि, पुलिस के हाथ ज्यादा कुछ नहीं लगा। पेशी से पहले ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने कहा कि पुलिस घर आई थी। हरीश मल्होत्रा ने दावा किया कि अधिकारियों ने उनसे कहा कि वह ज्योति की पेशी के दौरान कोर्ट में न आएं। उन्होंने बेटी से मिलने की इच्छा जताई, मगर पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मिलवाने से मना कर दिया।

पटना में AIIMS डॉक्टर सहित दो कोरोना पॉजिटिव:राज्य में पहला मामला; बंगाल में 4 नए केस, दिल्ली में 104, देश में 1009 एक्टिव मामले

भारत में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बिहार में सोमवार को AIIMS पटना के एक डॉक्टर और एक 31 साल के व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई। यह कोरोना की मौजूदा लहर में राज्य का पहला मामला है।

वहीं पशिचम बंगाल में चार और लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है, जिसके बाद सक्रिय मामलों की संख्या 12 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मरीजों को सांस संबंधी समस्याएं हैं। अधिकतर मामले कोलकाता और उसके आसपास से सामने आए हैं।
पिछले एक सप्ताह में कोविड-19 के 752 नए मामले सामने आए हैं? देश में कुल मामलों की संख्या 1,009 हो गई है। पिछले एक सप्ताह में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में सबसे ज्यादा नए मामले सामने आए हैं।केरल में 335 नए मामले सामने आए हैं, जिसके साथ ही कुल एक्टिव मामले 430 हो गए हैं।
महाराष्ट्र में 153 और दिल्ली में 99 नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली में इस वक्त कुल 104 एक्टिव मामले हैं। इन शहरों के बाद गुजरात में 83 मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 47, उत्तर प्रदेश में 15 मामले दर्ज किए गए हैं।

मुंबई में भारी बारिश, अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भरा:लोकल ट्रेनें भी प्रभावित, हजारों लोग फंसे; पुणे में बादल फटा, घरों में पानी भरा

मुंबई में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। हाल ही में शुरू हुए वर्ली अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1 मई को ही इसका उद्घाटन किया था।

इधर, घने बादलों की वजह से विजिबिलिटी लो है। इस वजह से 8 फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। सड़कों पर भी लोग गाड़ियों की लाइट ऑन करके ड्राइव कर रहे हैं।
बारिश के साथ मुंबई में 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिससे कई इलाकों में पेड़ गिर गए हैं। बारिश के बाद कई जगह 7-8 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। हार्बर, सेंट्रल लाइन पर लोकल ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। हजारों लोग अभी भी फंसे हुए हैं।
इधर पुणे में रविवार की तेज बारिश की वजह से नदी-नाले अचानक उफान पर आ गए। पुणे-सोलापुर हाईवे पर पाटस इलाके में बादल फटने से पुणे के बारामती और इंदापुर में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई।
बारिश के बाद यहां सड़कें पानी में डूब गईं। करीब 200 घरों में पानी भर गया और कई गाड़ियां बह गईं। NDRF की 2 टीमें रेस्क्यू के लिए तैनात की गई हैं।
भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने बताया, 'मुंबई और उपनगरीय क्षेत्रों में दिन भर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।' मुंबई के सांताक्रूज के सुपारी टैंक और नारियल वाड़ी में सबसे ज्यादा 25 मिमी, पाली हिल में 24 मिमी, विले पार्ले और अंधेरी फायर स्टेशन ने 15 मिमी और 14 मिमी बारिश दर्ज की।
चकल नगर निगम विद्यालय और मालवणी फायर स्टेशन में 14 मिमी और 12 मिमी बारिश हुई, जबकि वर्सोवा पंपिंग स्टेशन पर 11 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। चेंबूर की कलेक्टर कॉलोनी में 13 मिमी जबकि चेंबूर फायर स्टेशन में 9 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

सेंसेक्स 455 अंक चढ़कर 82,176 पर बंद:निफ्टी 25,001 पर पहुंचा, जोमैटो का शेयर 4.55% गिरा; मेटल, IT और ऑटो में ज्यादा खरीदारी

सेंसेक्स के टॉप-5 शेयर्स

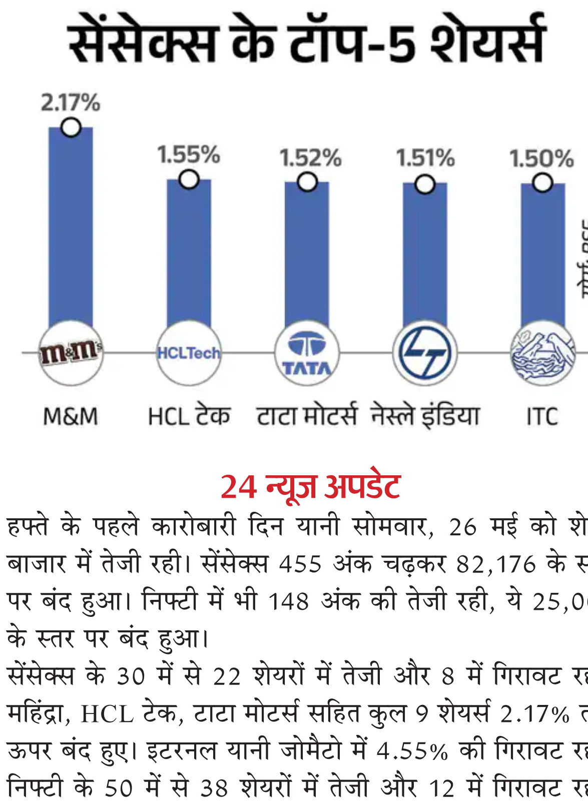

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार, 26 मई को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 455 अंक चढ़कर 82,176 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 148 अंक की तेजी रही, ये 25,001 के स्तर पर बंद हुआ।
सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट रही। महिंद्रा, HCL टेक, टाटा मोटर्स सहित कुल 9 शेयर्स 2.17% तक ऊपर बंद हुए। इटरनल यानी जोमैटो में 4.55% की गिरावट रही। निफ्टी के 50 में से 38 शेयरों में तेजी और 12 में गिरावट रही। NSE के सभी सेक्टर्स ऊपर बंद हुए। ऑटो इंडेक्स में 1.05%, मेटल में 0.94%, IT में 1.02% और रियल्टी में 0.76% की तेजी रही।

असम के मुख्यमंत्री बोले- बांग्लादेश में दो चिकन नेक:धमकी देने वाले इसे ध्यान रखें; यूनुस ने भारत के नॉर्थ-ईस्ट को लैंडलॉक्ड बताया था

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को कहा कि जो लोग आदतन भारत को चिकन नेक कॉरिडोर पर धमकी देते हैं उन्हें ध्यान रखना चाहिए बांग्लादेश के पास अपने दो 'चिकन नेक' हैं, जो भारत के 'चिकन नेक' कॉरिडोर से ज्यादा कमजोर हैं।
सरमा ने रविवार को X पोस्ट में लिखा- पहला 80 किमी का उत्तरी बांग्लादेश कॉरिडोर - दक्षिण दिनाजपुर से दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स तक। यहां कोई भी रुकावट पूरे रंगपुर डिवीजन को बांग्लादेश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह अलग कर सकती है।
दूसरा है 28 किमी का चटगांव कॉरिडोर, दक्षिण त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक। यह कॉरिडोर, जो भारत के चिकन नेक से छोटा है, बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी और राजनीतिक राजधानी को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। मैं सिर्फ भौगोलिक फेक्ट बता रहा हूं, जो कुछ लोग भूल जाते हैं।
दरअसल दो महीने पहले, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने मार्च में चीन यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत के नॉर्थ-ईस्ट राज्य जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है लैंड लॉक्ड हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का रास्ता नहीं है। बांग्लादेश उस रीजन में समुद्र का एकमात्र गार्डियन है। इससे निवेश का बड़ा अवसर मिलता है।
सरमा तब से "चिकन नेक" कॉरिडोर की कमजोरी को दूर करने की जरूरत पर जोर दे रहे हैं। शनिवार को नीति आयोग की बैठक में भी पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी बढ़ाने की बात उठाई थी।

अपनी क्षेत्र से सम्बन्धित समाचार हमारी मेल आई पर भेजें
desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : विकास पर बल

सरकार लगातार देश की अर्थव्यवस्था पांच लाख करोड़ डालर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराती रही है। दावा किया जाता है कि भारत जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। इसके लिए प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ने का उत्साह नीति आयोग शासी परिषद की दसवीं बैठक में भी दिखा। इसमें प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहा कि अगर वे टीम इंडिया की तरह काम करें और हर राज्य, हर शहर, हर गांव को विकसित बनाने के लिए काम करें, तो आजादी की सौवीं वर्षगांठ से पहले ही देश को विकसित की श्रेणी में खड़ा किया जा सकता है। उन्होंने पर्यटन और शहरी विकास पर विशेष बल दिया। इस बैठक का विषय भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने पर विचार करना था । यह एक तरह से केंद्र सरकार के विकासोन्मुखी कार्यक्रमों को और गति देने की मंशा के अनुरूप ही है। अक्सर विपक्षी दलों वाली राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के बीच नीतियों का टकराव देखा जाता रहा है, जिसका असर विकास कार्यक्रमों पर पड़ता है। अच्छी बात है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ संबंधों में सहजता लाने का प्रयास किया। इसी का नतीजा है कि बैठक में किसी प्रकार का वैचारिक विरोध नजर नहीं आया। हालांकि कांग्रेस ने इस बैठक को लोगों का ध्यान भटकाने का सरकार का एक और प्रयास बताया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और तमाम झटकों के बावजूद इसकी रफ्तार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में विकासशील देशों यानी वैश्विक दक्षिण देशों की उम्मीदें इससे और जुड़ती गई हैं। विश्व पटल पर व्यापारिक समझौतों आदि के मामले में भारत ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में अगर केंद्र और सभी राज्य सरकारें मिल कर विश्व मानकों के अनुरूप अपने शहरों, पर्यटन स्थलों और विनिर्माण योजनाओं पर गंभीरता से काम करें, तो एक मिसाल कायम हो सकती है। मगर असल चुनौती यही है कि केंद्र सरकार किस तरह राज्य सरकारों के साथ सौहार्द और सहयोग का रिश्ता कायम कर पाती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तो लगातार केंद्र की नीतियों और बैठकों आदि का विरोध करती रही हैं। इसके अलावा, विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के साथ केंद्र के रिश्ते तनावपूर्ण देखे गए हैं। इसलिए केंद्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह इस तल्खी को दूर करने का प्रयास करे । विकास और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से नत्थी होते हुए भी कई मामलों में इनमें अलगाव भी होता है। जरूरी नहीं कि सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के आधार पर अर्थव्यवस्था की दर ऊंची होने पर देश में खुशहाली का स्तर भी ऊंचा हो। भारत में यह विरोधाभास गहरा है। एक तरफ विकास दर ऊंची है, तो दूसरी तरफ बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन के मामले में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रश्नांकित होती रहती हैं। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में विकास दर संतुलित नहीं है। विनिर्माण क्षेत्र अब भी हिचकोले खा रहा है। इसकी बड़ी वजह है कि निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटा पाटने में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश लक्ष्य के मुताबिक आकर्षित नहीं हो पा रहा । ऐसे में अगर केंद्र और राज्य सरकारें समन्वित रूप से काम करें, तो निस्संदेह कामयाबी की उम्मीद बनती है।

खुदकुशी के परिसर

राजस्थान के कोटा शहर में विद्यार्थियों की आत्महत्या अब इस कदर चिंता का कारण बन चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट को भी इसमें दखल देना पड़ा है। यों कोटा में पढ़ाई के तनाव और दबाव के कारण खुदकुशी की लगातार घटनाओं पर पिछले कई वर्षों से सवाल उठते रहे हैं और इसका कोई ठोस समाधान खोजने पर बल दिया जाता रहा है, लेकिन यह समस्या और जटिल होती गई है। इस मसले पर न तो कोचिंग संस्थानों को अपनी नीति और तौर-तरीके बदलने की जरूरत महसूस हो रही है और न सरकार की कोई पहल कारगर हो पा रही है। कोचिंग संस्थान अपने मुनाफे के लिए इस समस्या की अनदेखी कर रहे हो सकते हैं, मगर सवाल है कि क्या सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती ? सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान सरकार के इसी रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा है कि एक राज्य के तौर पर आप क्या कर रहे हैं। अदालत ने यह भी पूछा कि छात्र कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं और क्या आपने इस पर कोई विचार किया है। दरअसल, एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने यह पाया कि कोटा के एक छात्र के खुदकुशी कर लेने पर कोई प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की गई। यह समझना मुश्किल है कि कोटा में इंजीनियरिंग और चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटना के एक बड़ी समस्या का रूप ले लेने के बावजूद सरकार की नजर में यह इस हद तक अनदेखी करने लायक मसला क्यों है । यह छिपी बात नहीं है कि हर वर्ष कोटा के कोचिंग संस्थानों में सख्त नियम-कायदों, पढ़ाई के तनाव और अपने माता-पिता की महत्त्वाकांक्षाओं का दबाव कई विद्यार्थी नहीं झेल पाते और खुदकुशी कर लेते हैं आखिर यह अलग से जाते पढ़ाई का कैसा ढांचा है कि उसमें कई विद्यार्थी टूट हैं? मामूली विफलता या इसके डर का स्रोत क्या है कि बच्चों के भीतर नया रास्ता खोजने का साहस नहीं पैदा हो पाता और जान दे देना उन्हें आसान लगता है। यह समस्या अब बेहद गंभीर हो चुकी है और इसके समाधान के लिए तत्काल बहुस्तरीय और ठोस पहल की जरूरत है।

राजस्थान पत्रिका को बहुत बड़ा झटका : विजय शर्मा को मजीठिया वेतन माँगने पर बर्खास्त करना पड़ा महंगा, हाईकोर्ट ने सेवा बहाली और पूर्ण लाभ देने का आदेश दिया

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मजीठिया वेतन बोर्ड की सिफारिशें लागू करने की मांग करने वाले पत्रकार विजय कुमार शर्मा को नौकरी से निकालना प्रबंधन को भारी पड़ गया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने इस बर्खास्तगी को गैरकानूनी करार देते हुए पत्रकार की सेवा बहाल करने, बकाया वेतन चुकाने और सभी सेवा लाभों सहित पुनर्नियुक्ति का आदेश सुनाया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि पत्रिका प्रबंधन ने जिस सोशल मीडिया पोस्ट को आधार बनाकर अनुशासनात्मक कार्रवाई की, उसके समर्थन में कोई सबूत प्रस्तुत नहीं किया गया। पत्रकार को बिना लेबर कोर्ट की पूर्व स्वीकृति के बर्खास्त किया गया था, जो औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 33(2)(इ) का स्पष्ट उल्लंघन है। कोर्ट ने इस बिंदु पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जब तक लेबर कोर्ट से मंजूरी न मिले, तब तक बर्खास्तगी आदेश अधूरा और कानूनी रूप से अमान्य माना जाएगा। यही नहीं, कोर्ट ने यह भी माना कि प्रबंधन ने यह कार्रवाई मजीठिया वेतनमान की मांग उठाने के बाद प्रतिशोधवश की, जिससे कर्मचारी के मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन हुआ। दरअसल, विजय कुमार शर्मा वर्ष 2002 से पत्रिका में कार्यरत थे और 2011 में उन्हें सब-एडिटर पद पर पदोन्नत किया गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2014 में मजीठिया वेतन बोर्ड की सिफारिशें लागू करने का निर्देश दिए जाने के बाद उन्होंने और उनके साथियों ने इसके पालन की मांग की। इसी के बाद उनका स्थानांतरण पहले बेंगलुरु, फिर भोपाल और फिर जगदलपुर कर दिया गया, जिसका उन्होंने विरोध करते हुए लेबर कोर्ट में मामला दायर कर दिया। प्रबंधन ने इसी अवधि में सोशल मीडिया पर कथित पोस्ट के बहाने चार्जशीट जारी की और जून 2016 में सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया। जांच में न तो वह पोस्ट प्रस्तुत की गई, न ही कोई तकनीकी प्रमाण, और न ही कर्मचारी को पर्याप्त अवसर मिला। इसके बावजूद उन्हें दोषी ठहराकर निकाल दिया गया। हाईकोर्ट ने पाया कि लेबर कोर्ट ने सेवा समाप्ति की अनुमति नहीं दी थी, बावजूद इसके कर्मचारी को हटा दिया गया। कोर्ट ने अपने निर्णय में सुप्रीम कोर्ट के "जयपुर ज़िला सहकारी भूमि विकास बैंक बनाम रामगोपाल शर्मा" मामले का हवाला देते हुए कहा कि जब स्वीकृति नहीं दी गई हो, तो बर्खास्तगी स्वयमेव शून्य मानी जाती है और कर्मचारी को सेवा में माना जाता है। इस निर्णय को देशभर के पत्रकार संगठनों ने श्रमिक अधिकारों की बड़ी जीत बताया है। पत्रकार संगठनों ने मांग की है कि अब सरकारें यह सुनिश्चित करें कि मीडिया संस्थानों में मजीठिया वेतनमान की सिफारिशों को बिना देरी के लागू किया जाए और पत्रकारों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाए। कोर्ट के आदेश के अनुसार, विजय कुमार शर्मा की सेवा तत्काल प्रभाव से बहाल की जाएगी, उन्हें बकाया वेतन, सेवा निरंतरता, और अन्य सभी लाभ दिए जाएंगे। वहीं प्रबंधन की याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया गया है।

न्यायालय के आदेश का सारांश

विजय कुमार शर्मा की सेवा बहाल की जाए
सभी बकाया वेतन, लाभ और सेवा निरंतरता दी जाए
चार्जशीट और आंतरिक जांच रिपोर्ट को अवैध और असंवैधानिक करार दिया
पत्रिका की याचिका खारिज
लेबर कोर्ट का आंशिक आदेश संशोधित

हाईकोर्ट ने क्या कहा?

आंतरिक जांच प्रक्रिया दोषपूर्ण थी, कर्मचारी को पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया। चार्जशीट में लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य नहीं थे, विशेष रूप से फेसबुक पोस्ट का कोई सबूत नहीं दिखाया गया। धारा 33(2)(b) के तहत आवश्यक स्वीकृति बिना लिए सेवा समाप्त करना अवैध है। प्रबंधन की कार्रवाई, विशेष रूप से वेतन संबंधी मांगों के बाद हुई, दबाव और बदले की भावना को दर्शाती है। न्यायालय ने कहा कि जब कोई कर्मचारी अपने वैधानिक अधिकारों की मांग करता है, तो संस्थान उसे दंडित नहीं कर सकता। यह श्रमिकों के अधिकारों के विरुद्ध और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

लेबर कोर्ट पर भी टिप्पणी

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि लेबर कोर्ट का आकलन एकतरफा था। एक ओर कोर्ट ने माना कि बर्खास्तगी आदेश अवैध था और स्वीकृति नहीं दी जा सकती, लेकिन दूसरी ओर पुनर्नियुक्ति का आदेश नहीं दिया, जो कि सुप्रीम कोर्ट के "Jaipur Zila Sahakari Bhoomi Vikas Bank Ltd. बनाम रामगोपाल शर्मा" फैसले की भावना के विपरीत था।

प्रबंधन की मंशा पर सवाल

कोर्ट ने माना कि पत्रिका प्रबंधन ने जानबूझकर मजीठिया वेतन की देनदारी से बचने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई का सहारा लिया। यह न केवल पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर प्रहार है, बल्कि संस्थागत जवाबदेही को कमजोर करने की साजिश भी मानी जा सकती है।

नियंत्रण कक्ष से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में कौताही पड़ेगी भारी, कॉल नहीं उठाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 मई। आमजन की लू-तापाघात, बिजली और पेयजल समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मंशा से जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में कलक्ट्रेट में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष पर प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों की ओर से गंभीरता नहीं बरतने पर जिला कलक्टर ने नाराजगी जताते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी है। एडीएम प्रशासन दीपेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि जिले में लू-ताप, बिजली एवं पेयजल समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिला कलक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इसका दूरभाष नंबर 0294-2414620 तथा टोल फ्री नंबर 1077 है। आमजन उक्त नंबरों पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। श्री राठौड़ ने बताया कि नियंत्रण कक्ष पर प्राप्त शिकायतें तत्काल संबंधित विभाग को अग्रेषित की जाती हैं, लेकिन संज्ञान में आया है कि कुछ अधिकारी इन शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहें। वहीं कुछ अधिकारियों की ओर से तो नियंत्रण कक्ष का कॉल तक रिसीव नहीं किया जाता। इस पर जिला कलक्टर ने नाराजगी जताते हुए समस्त अधिकारियों को नियंत्रण कक्ष से आने वाले कॉल रिसीव कर शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शिकायत की पुनरावृत्ति होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

आमजन में भय : चोर आए, शोर मचाने पर भाग गए, घर पर सीसीटीवी लगवाए तो फिर आए और बाइक लेकर चले गए

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। चोरों के हौसले इस कदर इससे पहले कभी इतने बुलंद नहीं थे। चोरी करने आए और हलचल हुई तो घर वाले जाग गए। दूसरे दरवाजे से बाहर आए तो चोर दीवार कूदकर भाग गए। इसके बाद घर पर सीसीटीवी कैमरे लगवा लिए व सोचा कि अब घर सुरक्षित हो गया है लेकिन चोरों में पुलिस व कानून का भय खत्म सा हो गया लगता है। चोर फिर से आए और सीसीटीवी होने के बावजूद मेन गेट खोल कर बाइक का ताला तोड़ कर चुरा ले गए। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। चोरों को इस करतूत को अंजाम देने में केवल 3 मिनट का समय लगा। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र स्थित अरिहंत विहार कॉलोनी में यह वाकया पेश आया। देर रात चोरों ने एक घर में घुसकर बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी कैमरे में चोर कैद तो हो गए मगर बडा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर चोरों में सख्त कार्रवाई का डर क्यों नहीं है। सीसीटीवी में दिख रहा है कि तीन युवक मात्र 3 मिनट में ताला और बाइक के हैंडल लॉक तोड़कर चंपत हो रहे हैं।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

मोहित शर्मा पुत्र ईश्वर शर्मा ने बताया कि चोर रात करीब 3 बजे उनके घर के मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए और आंगन में खड़ी बाइक का हैंडल लॉक तोड़कर चंद मिनटों में ही फरार हो गए। मोहित शर्मा ने प्रतापनगर थाने में चोरी की एफआईआर दर्ज करवाई है और पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी सौंपा है।

पहले भी की थी चोरी की कोशिश

मोहित शर्मा ने बताया कि 9 मई की रात को भी यही चोर उनके घर में घुसे थे, लेकिन उस समय घर के सदस्य जाग रहे थे। जब वे बाहर आए तो चोर दूसरे गेट से कूदकर भाग गए। उस घटना के बाद ही शर्मा परिवार ने ब्ब्ज्ट कैमरे लगवाए थे, लेकिन इसके बावजूद चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए फिर से उसी घर को निशाना बनाया।

इलाके में लगातार हो रही चोरियां

17 मई को अरिहंत विहार में ही शांतीलाल शर्मा पुत्र लखमा गमेती के घर से भी चोरों ने बाइक चोरी की। जनवरी में इसी कॉलोनी से 3 लाख की नकदी और सामान की चोरी हो चुकी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। पुलिस को रात्रि गश्त को सख्ती से लागू करना चाहिए और चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए, ताकि लोगों में सुरक्षा की भावना बनी रह सके।

प्रताप गौरव केन्द्र पर प्रताप जयन्ती समारोह 28 से, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े होंगे मुख्य अतिथि

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रताप गौरव केन्द्र "राष्ट्रीय तीर्थ", टाइगर हिल्स, उदयपुर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति द्वारा सम्वत् 2082 के अवसर पर महाराणा प्रताप जयन्ती समारोह 28 व 29 मई को ऐतिहासिक गरिमा के साथ आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय समारोह में विविध सांस्कृतिक व राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की श्रृंखला तय की गई है। जयन्ती की पूर्व संध्या पर 28 मई बुधवार को शाम 5:45 बजे कुम्भा सभागार में एक भव्य सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान के महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, होंगे व मुख्य वक्ता 'ऑर्गनाइज़र' साप्ताहिक के प्रधान संपादक प्रफुल्ल केतकर सभा को संबोधित करेंगे। समारोह के आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में राज्यपाल की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रशासनिक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

29 मई को डुग्धाभिषेक और कवि सम्मेलन महाराणा प्रताप जयन्ती के मुख्य दिन 29 मई गुरुवार (ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया) को प्रातः 7 बजे "स्टैच्यू ऑफ प्राइड" पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का पारंपरिक डुग्धाभिषेक किया जाएगा। इसी दिन शाम 7:00 बजे पुनः कुम्भा सभागार में एक कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें देशभर से आमंत्रित कविगण वीर रस व राष्ट्रभक्ति से प्रेरित काव्य रचनाओं की प्रस्तुति देंगे।

आयोजकों की अपील

समारोह के अध्यक्ष प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा एवं संयोजक सी. ए. महावीर चपलोत ने उदयपुरवासियों सहित समस्त देशवासियों से इस समारोह में भाग लेकर महाराणा प्रताप के जीवन मूल्यों, राष्ट्रनिष्ठा और शौर्य की स्मृति को नमन करने का आह्वान किया है।

अमरीकी कांग्रेस का प्रतिनिधिमण्डल 27 से उदयपुर प्रवास पर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 मई। संयुक्त राज्य अमेरिका की संसद कांग्रेस का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल 27 मई से उदयपुर के तीन दिवसीय प्रवास पर रहेगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर वारसिंह ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल 27 मई को शाम 7.30 बजे विमान से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेगा। वहां से होटल ताज प्रकाश पैलेस पहुंचेगा। 28 मई को प्रतिनिधिमंडल सिटी पैलेस, गणेश इम्पोरियम, जग मंदिर आदि स्थलों का भ्रमण करेगा। 29 मई को सुबह प्रतिनिधिमंडल डबोक एयरपोर्ट पहुंच कर 11.30 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करेगा। प्रतिनिधिमंडल के यात्रा कार्यक्रम के मद्देनजर आवश्यक सुरक्षा एवं शिष्टाचार व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

जोधपुर-रामदेवरा-जोधपुर स्पेशल रेलसेवा का संचालन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। रेलवे द्वारा रामदेवरा मेले के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान मे रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु जोधपुर-रामदेवरा-जोधपुर स्पेशल (01 ट्रिप) रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। गाडी संख्या 04833, जोधपुर-रामदेवरा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 28.05.25 को (01 ट्रिप) जोधपुर से 10.50 बजे रवाना होकर 14.30 बजे रामदेवरा पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04834, रामदेवरा-जोधपुर स्पेशल रेलसेवा दिनांक 28.05.25 को (01 ट्रिप) रामदेवरा से शाम 15.20 बजे रवाना होकर 19.15 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में राई का बाग, मंडौर, मारवाड मथानियाँ, ओसियां, मारवाड लोहावट व फलौदी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेल सेवा में 08 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 10 डिब्बे होगे।

जुआ खेलते 5 बदमाश खेत से गिरफ्तार, 2.67 लाख रुपए नकद जब्त

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़ | चित्तौड़गढ़ जिले में चंदेरिया थाना पुलिस ने जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मिश्रों की पीपली के पास एक खेत में दबिश देकर 5 जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी 'घोड़ी दाने' के जरिए सट्टा खेल रहे थे। पुलिस ने मौके से 2,67,500 नकद और सट्टे का सामान बरामद किया है। खेत में पानी के नाले के पास खेला जा रहा था सट्टा एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि चंदेरिया थाना क्षेत्र में जुए की सूचना पर एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी ग्रामीण शिव प्रकाश के निर्देशन में थाना प्रभारी सुनीता गुर्जर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। एएसआई सुभाष कुमार व कांस्टेबल अर्जुनलाल, जितेंद्र, रतनदान और दुर्गेश सिंह ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए तारीक उर्फ शेरू मुसलमान के खेत में घेराबंदी की और पांच आरोपियों को मौके से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी और उनकी पहचान कालू खां (48) – निवासी डूंगला, पूर्व में लकड़ियां बेचता था मोहम्मद आरिफ (49) – निवासी दिल्ली गेट, ऑटो चालक मोहम्मद जाहिद (38) – निवासी भीलवाड़ा, मजदूर सारिक खान (26) – निवासी निंबाहेड़ा, ऑटो चालक इकबाल मोहम्मद (35) – निवासी भीलवाड़ा, मजदूर कानूनी कार्रवाई शुरू, सट्टे का सामान भी जब्त पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2.67 लाख नकद के साथ सट्टा खेलने में उपयोग हो रहा घोड़ी दाने का सामान जब्त किया है।

सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जांच में खुलासाः मजदूरी और ऑटो चलाकर करते थे गुजारा पुलिस जांच में सामने आया कि भीलवाड़ा निवासी दोनों आरोपी दिहाड़ी मजदूर हैं, जबकि निंबाहेड़ा और दिल्ली गेट निवासी आरोपी ऑटो चलाते हैं। डूंगला निवासी कालू खां पहले लकड़ियां बेचने का काम करता था। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि यह गिरोह और किन इलाकों में सक्रिय है।

ब्लड ट्रांसफ्यूजन सिस्टम होगा और अधिक सुदृढ़, आभा आईडी में दर्ज होगा ब्लड ग्रुप

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने उच्च स्तरीय बैठक में दिए निर्देश

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान सरकार ने प्रदेश के अस्पतालों में ब्लड ट्रांसफ्यूजन प्रणाली को अधिक सुरक्षित और सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में संबंधित अधिकारियों को एसओपी में जरूरी सुधार और तकनीकी नवाचारों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री ने हाल ही में सवाई मानसिंह अस्पताल में सामने आई एक गलत रक्त चढ़ाने की घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी कोई चूक न हो, इसके लिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन की प्रक्रिया को पूरी तरह सटीक और पारदर्शी बनाना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि "हर रोगी का जीवन अनमोल है और उपचार में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"

आभा आईडी में ब्लड ग्रुप अनिवार्य

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राजस्थान डिजिटल हेल्थ मिशन के अंतर्गत अब हर रोगी की आभा आईडी में ब्लड ग्रुप की जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज की जाएगी। इससे आपात स्थिति में ब्लड की उपलब्धता और ट्रांसफ्यूजन की प्रक्रिया अधिक सटीक एवं तेज़ हो सकेगी।

आईसीयू में एसओपी की सख्त पालना अनिवार्य

श्री खींवसर ने निर्देश दिए कि राजकीय चिकित्सा संस्थानों के आईसीयू एवं क्रिटिकल केयर वार्डों में एसओपी की सख्त पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन वार्डों में वरिष्ठ चिकित्सकों, सीनियर रेजीडेंट्स, और केवल प्रशिक्षित नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ को ही तैनात किया जाए। चिकित्सा संस्थानों के प्रभारी अधिकारी इन वार्डों और ब्लड बैंक की नियमित निगरानी करें और खामियां मिलने पर तत्काल सुधार कराएं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि एसओपी की अवहेलना या कर्मचारियों की लापरवाही सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विशेषज्ञों से मिले सुझाव

बैठक में चिकित्सा विशेषज्ञों ने भी ब्लड ट्रांसफ्यूजन प्रणाली को सुधारने के लिए अपने तकनीकी एवं व्यावहारिक सुझाव साझा किए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा सचिव श्री अम्बरीष कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री इकबाल खान और सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

SI भर्ती मामले में सरकार का अंतिम फैसला टला, हाईकोर्ट से मांगा समय, अगली सुनवाई 1 जुलाई को होगी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान में SI भर्ती 2021 मामले में अभी तक सरकार ने अंतिम निर्णय नहीं लिया है। राज्य सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल (AAG) विज्ञान शाह ने राजस्थान हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश करते हुए और समय मांगा है। कोर्ट ने सरकार को 1 जुलाई तक का समय देते हुए अगली सुनवाई के लिए तारीख तय की है। सरकार के प्रार्थना पत्र में कहा गया कि कोर्ट के निर्देशानुसार 20 मई को कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक हुई, लेकिन इसके बाद 24-25 मई को दिल्ली में नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। इस कारण मुख्यमंत्री स्तर पर विचार-विमर्श नहीं हो पाया और अंतिम फैसला टल गया। याचिकाकर्ताओं के वकील हरेन्द्र नील ने इस प्रार्थना पत्र का विरोध किया और आरोप लगाया कि सरकार भर्ती पर कोई स्पष्ट निर्णय लेने में रुचि नहीं रखती और सिर्फ समय निकाल रही है। राजस्थान सरकार के महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कोर्ट को बताया कि भर्ती में करीब 400 से 500 लोगों की संलिप्तता की बात सामने आई है, जबकि एसओजी ने अब तक केवल 55 लोगों को गिरफ्तार किया है। भर्ती में 800 से ज्यादा अभ्यर्थियों का भविष्य दांव पर है, इसलिए मुख्यमंत्री के स्तर से ही निर्णय लिया जाना जरूरी है। कोर्ट ने सरकार से सवाल किया कि निर्णय लेने में इतना समय क्यों लग रहा है। जवाब में महाधिवक्ता ने कहा कि सीएम के स्तर पर फैसला होगा इसलिए और समय दिया जाए। वहीं याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चार-चार एजेंसियों ने भर्ती रद्द करने की सिफारिश की है, फिर भी सरकार निर्णय में देरी कर रही है। इससे पहले हाईकोर्ट ने सरकार को चेतावनी भी दी थी कि अगर 26 मई तक फैसला नहीं लिया गया तो प्रक्रिया में शामिल लोगों को परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। पिछली सुनवाई में सरकार ने बताया था कि 13 मई को सब-कमेटी की बैठक हुई थी, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के चलते कई मंत्री नहीं आ पाए थे और एक मंत्री अस्वस्थ होने की वजह से बैठक में मौजूद नहीं थे। बाद में 21 मई को दूसरी बैठक रखी गई थी, जिसका फैसला कोर्ट को बताया जाना था।

मामले का संक्षिप्त विवरण: RPSC ने 2021 में 859 SI और प्लाटून कमांडर पदों पर भर्ती निकाली थी। पेपर लीक के आरोप पर जांच SOG को सौंपी गई। एसओजी ने कई ट्रेनी SI सहित आरोपी गिरफ्तार किए। भर्ती रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर हुईं।

जस्टिस समीर जैन की अदालत ने नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक कई आदेश जारी कर भर्ती प्रक्रिया को यथास्थिति में रखा।

10 जनवरी 2025 को पुलिस मुख्यालय ने फील्ड ट्रेनिंग पर पूरी तरह रोक लगा दी, जो अभी भी लागू है। सरकार की ओर से कहा गया है कि जल्द ही मुख्यमंत्री स्तर से निर्णय लेकर हाईकोर्ट को अवगत कराया जाएगा। अगली सुनवाई अब 1 जुलाई 2025 को होगी।

थाना शंभूपुरा पुलिस की कार्रवाई : चित्तौड़गढ़ में टाटा हैरियर कार से 323 किलो डोडाचूरा और हथियार जब्त

24 न्यूज अपडेट

जयपुरी, 26 मई। चित्तौड़गढ़ जिले की शंभूपुरा थाना पुलिस ने रविवार को नाकाबंदी के दौरान एक टाटा हैरियर कार से 323 किलो 728 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा, एक मैगज़ीन और दो ज़िंदा कारतूस जब्त किए हैं। यह कार्रवाई जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के तहत की गई।

घटना का विवरण -जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि एएसपी चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह और डीएसपी भदेसर अनिल शर्मा के निर्देशन व शंभुपुरा थानाधिकारी रामलाल के नेतृत्व में पुलिस टीम घटियावली खेड़ा से गढ़वाड़ा जाने वाली सड़क पर नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान गढ़वाड़ा की तरफ से एक काले रंग की टाटा हैरियर कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने नाकाबंदी तोड़कर केलजर की तरफ भागने की कोशिश की।

पुलिस ने तुरंत गाड़ी का पीछा किया और उसे ओवरटेक कर रोकने का प्रयास किया। चालक ने अचानक गाड़ी रोक दी, और चालक व उसके पास बैठा व्यक्ति गाड़ी से उतरकर जंगल की तरफ भाग निकले। पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर वे भागने में सफल रहे।

बरामदगी और कार्रवाई - पुलिस ने टाटा हैरियर कार की नियमानुसार तलाशी ली। कार के भीतर से काले रंग के 17 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 323 किलो 728 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा बरामद हुआ। इसके अलावा, वाहन के डैशबोर्ड के अंदर से एक काले रंग की मैगज़ीन और उसमें दो ज़िंदा कारतूस भी मिले। पुलिस ने डोडाचूरा, मैगज़ीन, कारतूस और टाटा हैरियर कार को जब्त कर लिया है। थाना शंभूपुरा में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है, और आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस की सक्रियता को दर्शाती है।

भरतपुर पुलिस का दो दिवसीय "एरिया डोमिनेशन" अभियान: 129 अपराधी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 26 मई। भरतपुर पुलिस ने 24 और 25 मई, 2025 को असामाजिक तत्वों और अपराधियों के खिलाफ एक बड़ा दो दिवसीय "एरिया डोमिनेशन" अभियान चलाया, जिसके तहत कुल 129 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इस विशेष कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य आमजन में विश्वास बढ़ाना और अपराधियों में भय पैदा करना था, जिसमें पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली है।

महानिरीक्षक पुलिस, भरतपुर रेंज और जिला पुलिस अधीक्षक, भरतपुर के सीधे निर्देश में चलाए गए इस अभियान में 262 पुलिस अधिकारी और कर्मियों की कुल 73 टीमें शामिल थीं। इन टीमों ने जिले भर में लगभग 310 स्थानों पर दबिश दी, जिससे व्यापक स्तर पर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई संभव हो पाई। अभियान के दौरान, पुलिस ने विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल 129 व्यक्तियों को पकड़ा। इनमें 51 हार्डकोर अपराधी, हिस्ट्रीशीटर, आदतन अपराधी, इनामी बदमाश और विभिन्न मुकदमों में वांछित चल रहे बदमाश शामिल थे।

इसके अतिरिक्त पुलिस ने अवैध शराब के 15 प्रकरण दर्ज किए, जिसमें 728 पव्वे अवैध देसी शराब और 36 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। अवैध हथियार रखने के मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 2 टोपीदार बंदूकें जब्त हुईं। एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 आरोपी से 3 किलो 50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ जब्त किया गया। अन्य अधिनियमों के तहत भी 13 प्रकरण दर्ज कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, और शांति भंग करने के आरोप में 47 लोगों को पकड़ा गया।

भरतपुर पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से आमजन में सुरक्षा और न्याय के प्रति विश्वास बढ़ा है, जबकि अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे ताकि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

प्रतापगढ़ में रठांजना थाना पुलिस की कार्रवाई : नागदेड़ा गांव में हुई एक हत्या के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को किया डिटेन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 26 मई। प्रतापगढ़ जिले के रठांजना थाना क्षेत्र के नागदेड़ा गांव में हुई एक हत्या के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को डिटेन किया है। यह कार्रवाई प्रतापगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल के सीधे निर्देश पर की गई।

घटना का विस्तृत विवरण- यह मामला 14 मई, 2025 का है, जब नागदेड़ा निवासी अंजना कुंवर ने अरनोद पुलिस थाने में एक गंभीर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके पति योगेंद्र सिंह जब दोपहर में अकेले घर आ रहे थे, तब कुछ अभियुक्तों ने एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत उन्हें घेर लिया। इसके बाद उन्होंने समूह बनाकर धारदार हथियारों से उन पर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक बंसल ने तत्काल संज्ञान लिया और अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन करने का आदेश दिया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई -गठित पुलिस टीमों ने बिना किसी देरी के त्वरित कार्रवाई शुरू की। उन्होंने तकनीकी सहयोग और उपलब्ध साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए हत्या में शामिल चार अभियुक्तों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। यह एक बड़ी सफलता थी, लेकिन पुलिस का काम यहीं खत्म नहीं हुआ था।

नाबालिग की हिरासत और टीम का योगदान-प्रकरण में वांछित अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार तलाश में जुटी हुई थीं। कड़ी मेहनत और तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ आसूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने आखिरकार इस मामले में शामिल एक नाबालिग को रठांजना से दस्तयाब करने में सफलता पाई है। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व थाना अरनोद एसएचओ हजारीलाल मीणा ने किया। उनकी टीम में एएसआई ओमप्रकाश, प्रेमलाल, हेड कांस्टेबल दिनेश दास, कांस्टेबल दिनेश कुमार, गजेन्द्र सिंह, जयपाल सिंह और चालक जगपाल सिंह शामिल थे। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और उम्मीद है कि जल्द ही सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

बारां पुलिस ने किया डॉक्टर वैभव चावला हत्याकांड का खुलासा : कोयला सीएचसी के नर्सिंग ऑफिसर व हेल्थ सुपरवाइजर ने नदी में डुबाकर की थी हत्या

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 26 मई। बारां पुलिस ने आज डॉ. वैभव चावला हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा करते हुए दो आरोपियों अशोक कुमार वर्मा पुत्र गोकुल प्रसाद वर्मा (33) निवासी लोढ़ाखेड़ा थाना बकानी जिला झालावाड़ और शंकरलाल बैरवा पुत्र नारायण लाल निवासी बगरू जिला जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दोनों ही आरोपी मृतक डॉ. वैभव चावला के साथ कोयला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कार्यरत थे। यह घटना व्यक्तिगत रंजिश और कार्यस्थल के विवादों का एक वीभत्स परिणाम बनकर सामने आई है।

घटना का विवरण - 18 मई, 2025 को कोटड़ी सूंडा गांव के पास पार्वती नदी में एक मोटरसाइकिल, कपड़े और एक मोबाइल फोन लावारिस पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुँची पुलिस को पता चला कि यह मोटरसाइकिल सीएचसी कोयला में पदस्थापित डॉ. वैभव चावला की है। तलाशी के दौरान डॉ. चावला का शव पार्वती नदी के एनीकट के पास तैरता हुआ मिला। उनके पिता गोपाल लाल की रिपोर्ट पर थाना बारां सदर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

हत्या का कारण -जांच में सामने आया कि डॉ. वैभव चावला और अशोक कुमार वर्मा (नर्सिंग ऑफिसर) के बीच पहले इंजेक्शन लगाने को लेकर विवाद हुआ था। बाद में सुलह हुई, लेकिन अशोक वर्मा अक्सर ड्यूटी से गायब रहता या देर से आता था। डॉ. चावला उनकी अनुपस्थिति दर्ज कर देते थे, जिसे अशोक वर्मा बिना अनुमति के काट कर अपने हस्ताक्षर कर देते थे।

इसके चलते डॉ. चावला ने अशोक वर्मा को 4-5 बार कारण बताओ नोटिस जारी किए थे, जिससे अशोक वर्मा उनसे गहरी रंजिश रखने लगे। अशोक ने अपनी यह नाराजगी साथी शंकरलाल बैरवा (हेल्थ सुपरवाइजर) को बताई, और दोनों ने मिलकर डॉ. चावला को 'सबक सिखाने' की ठान ली।

वारदात का तरीका -17 मई, 2025 को डॉ. चावला ड्यूटी के बाद अपनी मोटरसाइकिल से बारां लौट रहे थे। अशोक कुमार वर्मा ने उन्हें गर्मी का बहाना बनाकर ठंडा पीने के लिए रोक लिया। बाद में नदी में नहाने के लिए मना लिया। रास्ते में बीयर खरीदकर कोटड़ी सुंडा पहुंचे। अशोक और शंकर लाल ने डॉ. चावला को ज्यादा शराब पिलाई। इसके बाद, पूर्व नियोजित तरीके से, उन्होंने डॉ. चावला को पानी में डुबो कर मार डाला।

डॉ. चावला की मौत के बाद, दोनों आरोपी शव को वहीं छोड़कर पैदल ही जंगल के रास्ते से शाम करीब 7 बजे वापस सीएचसी कोयला आ गए। अगले दिन जब डॉ. चावला के पिता उन्हें तलाश करने सीएचसी आए तो आरोपी उन्हें गुमराह करते रहे।

पर्दाफाश और गिरफ्तारी - डॉ. वैभव चावला की हत्या का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम ने कोयला और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और साइबर सेल से तकनीकी सहायता ली। कोटड़ी सूंडा गांव में एक किराने की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में अशोक कुमार वर्मा और शंकरलाल बैरवा को डॉ. चावला को मोटरसाइकिल पर ले जाते हुए देखा गया। गहन पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

यह घटना कार्यस्थल पर पनपी रंजिश के भयावह परिणामों को दर्शाती है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी जांच ने इस जघन्य हत्याकांड का समय पर खुलासा करने में मदद की है।

इस सफल खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व सीओ बारां ओमेंद्र सिंह शेखावत, एसएचओ सदर हीरालाल पूनिया, प्रभारी साइबर सेल एएसआई जगदीश चंद्र शर्मा, चौकी कोयला पर तैनात एएसआई लक्ष्मी चंद, थाना कोतवाली के हेड कांस्टेबल विनोद कुमार, चौकी कोयला के कांस्टेबल सुशील व राकेश सैनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आमजन में भय, अपराधियों को वीआईपी ट्रीटमेंट : 5 पुलिसकर्मी समेत 13 गिरफ्तार: इलाज के बहाने होटल में VIP ट्रीटमेंट

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। सेंट्रल जेल से इलाज के नाम पर बंदियों को बाहर निकालकर होटलों तक पहुंचाने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जयपुर पुलिस ने फरारी की इस साजिश में शामिल 5 पुलिसकर्मियों, 4 कैदियों और उनके 4 परिजनों व साथियों समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में जयपुर की लालकोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई की है।

इलाज की जगह होटल में VIP ट्रीटमेंट

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पूरा प्लान जेल प्रशासन, पुलिस गार्ड, डॉक्टरों और कैदियों के परिजनों की मिलीभगत से रचा गया था। योजना के तहत बंदियों को इलाज के बहाने SMS अस्पताल लाया जाता, लेकिन वहां से उन्हें होटलों में ले जाकर VIP ट्रीटमेंट दिया जाता, जहां महिला मित्रों और परिजनों से उनकी मुलाकात कराई जाती थी।

24 अप्रैल को हुई थी शुरुआत

डीसीपी ईस्ट तेजस्विनी गौतम ने बताया कि 24 अप्रैल को पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ बंदी इलाज के नाम पर अस्पताल पहुंच कर वहां से फरार होने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर SMS अस्पताल में टीम भेजी गई और जांच शुरू की गई। जांच में पता चला कि सेंट्रल जेल से लाए गए चार बंदी — रफीक उर्फ बकरी, भंवरलाल, अंकित बंसल और करण गुप्ता, अपने साथ मौजूद चालानी गार्डों को चकमा देकर अस्पताल परिसर से फरार हो गए। वाहन अस्पताल में ही खड़ा मिला, लेकिन कैदी और गार्ड गायब थे। चारों कैदी अलग-अलग थाना क्षेत्रों से पकड़े गए सूचना पर जालुपुरा थाना पुलिस ने दो कैदी रफीक और भंवरलाल, जबकि एयरपोर्ट थाना पुलिस ने अन्य दो कैदी अंकित बंसल और करण गुप्ता को पकड़ा। इसके बाद थानाधिकारी बन्नालाल (उप निरीक्षक) के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने देर रात तक कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पूरी सूची: रफीक उर्फ बकरी (40) – न्यू संजय नगर, जयपुर, भंवरलाल (33) – विजय गोविंदपुरा, जोबनेर, अंकित बंसल (33) – सोनीपत, हरियाणा, करण गुप्ता (29) – गोपालपुरा बायपास, जयपुर पांच पुलिसकर्मी: सुरेश कुमार (52) – बागावास, कोटपूतली, मनोज कुमार (46) – जसाई, खैरथल, दिनेश कुमार (31) – कासली, कोटपूतली, अमित कुमार (31) – हसामपुर, सीकर, विकास कुमार (35) – दयाल की नागल, सीकर, चार परिजन/सहयोगी: हिना (35) – रफीक की पत्नी, संजय नगर, रमजान (30) – रफीक का रिश्तेदार, संजय नगर, आकाश बंसल (21) – अंकित का भाई, सोनीपत, राहुल (26) – अंकित का दोस्त, सोनीपत

जांच में और नाम आ सकते हैं सामने

पुलिस ने बताया कि मामले में अभी जेल प्रशासन, डॉक्टरों और अन्य पुलिस गार्डों की भूमिका की गहराई से जांच की जा रही है। पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है, जिससे स्पष्ट हो सके कि कितने लोग इस साजिश में शामिल थे और कब से यह खेल चल रहा था।

राजस्थान पंचायतीराज उपचुनाव : 8 जून को मतदान, 10 से 11 जून तक प्रमुखों का चयन

24 न्यूज़ अपडेट

जयपुर, 26 मई 2025 — राज्य निर्वाचन आयोग ने राजस्थान की पंचायतीराज संस्थाओं में रिक्त पदों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आगामी 8 जून को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान होगा, जबकि सरपंच और पंच पदों के लिए भी इसी दिन वोटिंग होगी। इसके बाद 9 जून को मतगणना और उपसरपंचों का चुनाव, 10 जून को जिला प्रमुख/प्रधान और 11 जून को उपप्रधान पदों के लिए निर्वाचन संपन्न होगा।

किस-किस पद पर होंगे उपचुनाव? इन उपचुनावों के तहत जिला प्रमुख के 1, प्रधान के 2, उपप्रधान के 1, जिला परिषद सदस्य के 7, पंचायत समिति सदस्य के 18, सरपंच के 17, उपसरपंच के 15 और पंच के 169 पदों पर चुनाव कराए जाएंगे।

मुख्य तिथियां एवं समय-सारणी:

जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य

नामांकन की अंतिम तिथि: 26 मई (11 बजे से 3 बजे तक)

संवीक्षा: 27 मई सुबह 11 बजे से

नाम वापसी: 28 मई (दोपहर 3 बजे तक)

मतदान: 8 जून (प्रातः 7 बजे से सायं 5 बजे तक)

मतगणना: 9 जून (प्रातः 9 बजे से)

जिला प्रमुख / प्रधान

मतदान (यदि आवश्यक): 10 जून (दोपहर 3 से 5 बजे तक)

परिणाम की घोषणा: मतदान समाप्ति के बाद तुरंत

उपप्रधान

मतदान (यदि आवश्यक): 11 जून (दोपहर 3 से 5 बजे तक)

सरपंच व पंच

नामांकन: 26 मई (10 बजे से 3 बजे तक)

संवीक्षा और नाम वापसी: 27 मई

मतदान: 8 जून (प्रातः 7 बजे से सायं 5 बजे तक)

मतगणना: 8 जून (मतदान समाप्ति के तुरंत बाद)

उपसरपंच- चुनाव: 9 जून (दोपहर 12 से 1 बजे के मध्य, यदि आवश्यक)

शिक्षक भर्ती-2022: 1260 छाया पद सृजित करने की मांग, मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

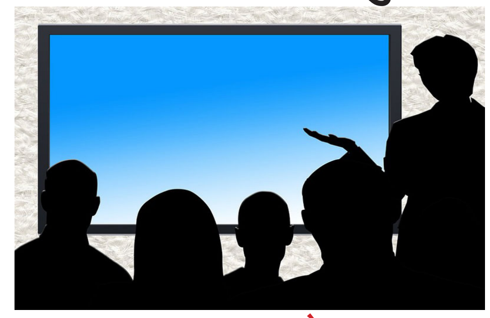

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने तृतीय श्रेणी (लेवल-2) शिक्षक भर्ती-2022 में चयनित 1260 शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए छाया पद (Shadow Posts) सृजित करने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान और प्रांतीय महामंत्री गोपाल मीणा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को एक ज्ञापन भेजा है। संशोधित परिणाम से संकट में 1260 शिक्षक प्रांतीय महामंत्री गोपाल मीणा ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा भर्ती-2022 के परिणाम को एक वर्ष बाद संशोधित किया गया। इसके चलते लगभग 1260 ऐसे शिक्षक, जो पिछले दो वर्षों से शिक्षा विभाग में सेवा दे रहे हैं, अब राजकीय सेवा से बाहर किए जाने के खतरे का सामना कर रहे हैं। गोपाल मीणा ने बताया कि बोर्ड की गलतियों के कारण इन शिक्षकों को नौकरी गंवाने की आशंका है, जिससे सैकड़ों परिवारों पर आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संकट मंडरा रहा है।

पूर्व में भी हो चुका है छाया पद सृजन

संघ ने अपने ज्ञापन में पूर्व की उदाहरणों का हवाला देते हुए बताया कि: शिक्षक भर्ती 2012 में राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने संदीप कुमार बिश्नोई बनाम राजस्थान राज्य (690/2017) में 6000 छाया पदों का सृजन कर प्रभावित शिक्षकों को नियमित किया था। फर्स्ट ग्रेड भर्ती 2015 में रिशाल बनाम RPSC प्रकरण में भी नियुक्तियां यथावत रखी गई थीं। द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती 2018 में भी राजस्थान सरकार बनाम फरसाराम कालीराणा (347/2022) मामले में नियुक्त शिक्षकों को सेवा से बाहर नहीं किया गया। शिक्षक भर्ती 2022 से जुड़े स्वाति भट्ट बनाम निदेशक प्रारंभिक शिक्षा विभाग (SAW-612/2024) मामले में अक्टूबर 2024 में उच्च न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम आदेश में कहा गया है कि नियुक्ति हो चुके शिक्षकों पर संशोधित परिणाम का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सामाजिक समस्याओं का भी खतरा

संघ पदाधिकारियों ने बताया कि नियुक्ति पर संकट के चलते कई नव-नियुक्त शिक्षकों के विवाह संबंध टूटने की कगार पर हैं, जिससे नई सामाजिक चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि दो वर्षों से सेवाएं दे रहे 1260 शिक्षकों को सेवा से पृथक न कर, उनके लिए छाया पद सृजित किए जाएं, जिससे वे आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक अस्थिरता से बच सकें।

8 हजार करोड़ का रैकेट, 9 साल बाद 7 आरोपियों को सजा

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी मादक पदार्थ (ड्रग्स) तस्करी के मामले में उदयपुर कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) द्वारा 2016 में की गई कार्रवाई में पकड़े गए 23,500 किलो एमडी ड्रग्स (मेथाकुलोन/मैंड्रेक्स) केस में 7 आरोपियों को दोषी करार देते हुए 20-20 साल की सजा और लाखों के जुर्माने से दंडित किया गया है। उदयपुर में 28 अक्टूबर 2016 को डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की मुंबई टीम को मिले इनपुट के आधार पर कलड़वास स्थित एक फैक्ट्री में छापा मारकर 23,500 किलो मेथाक्वालोन (एमडी ड्रग्स) जब्त की गई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 8000 करोड़ रुपए आंकी गई और यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स जब्ती मानी गई; इस ड्रग की सप्लाई दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य देशों तक की जा रही थी। आरोपियों ने मुंबई से पूरा ड्रग रैकेट संचालित किया और उदयपुर के कलड़वास, राजसमंद के धोइंदा और गुडली जैसे इलाकों में ड्रग्स निर्माण व भंडारण के लिए गोदाम और फैक्ट्रियां स्थापित कीं। इस मामले में कुल 8 आरोपी थे—मुख्य सरगना सुभाष दूदानी, जिनकी तीन वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है, जबकि अन्य सात आरोपियों में रवि दूदानी, परमेश्वर व्यास, अनिल मलकानी, संजय आर पटेल, निर्मल दूदानी, गुंजन दूदानी और अतुल महात्रे शामिल हैं। उदयपुर की एनडीपीएस एडीजे-1 कोर्ट के न्यायाधीश मनीष वैष्णव ने रवि दूदानी, परमेश्वर व्यास, अनिल मलकानी, संजय आर पटेल, निर्मल दूदानी और गुंजन दूदानी को नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी मानते हुए 20-20 वर्ष कठोर कारावास और 2-2 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई, वहीं गंभीर स्वास्थ्य कारणों के आधार पर अतुल महात्रे को 10 साल की सजा व 1 लाख रुपए का जुर्माना दिया गया। इनमें से रवि दूदानी और परमेश्वर व्यास पिछले 9 वर्षों से सेंट्रल जेल में बंद थे जबकि अन्य पांच आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 50 गवाह, 1000 से अधिक दस्तावेज, 1600 कंट्रोल सैंपल और 300 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई। मामले में केंद्र सरकार की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट के अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण खंडेलवाल, विशिष्ट लोक अभियोजक राजेश वसीटा और एससी शर्मा ने पैरवी की। **फैसले की प्रमुख बातें:** 6 आरोपियों को 20-20 साल की कठोर कैद और 2 लाख रुपए का जुर्माना 1 आरोपी अतुल महात्रे को 10 साल की सजा और 1 लाख रुपए जुर्माना (स्वास्थ्य कारणों से रियायत) मुख्य आरोपी सुभाष दूदानी की मृत्यु 3 वर्ष पूर्व हो चुकी है

129 करोड़ की ठगी मामले में एक और आरोपी पकड़ा

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर की हिरण मगरी थाना पुलिस ने 129.72 करोड़ रुपए की साइबर ठगी के मामले में खाते उपलब्ध कराने वाले चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया है।थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि आरोपी दिनेश चन्द्र मेनारिया पुत्र दौलतराम निवासी आकोला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। इसने पूर्व में गिरफ्तार आरोपी तूफान सिंह को बैंक के खाते उपलब्ध कराए थे। आरोपी दिनेश के द्वारा ये खाते किन व्यक्तियों के मार्फत और किससे क्रय किए गए हैं इस संबंध में जांच जारी है।

पूर्व में 3 आरोपी पकड़े, 10 मोबाइल सहित कार जब्त की थी

थानाधिकारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि तीन युवक काले रंग कार में सवार होकर दूसरे लोगों से बैंक खाते लेकर उन खातों में राशि का अवैध लेन-देन किया ज रहा है। जिस पर हिरण मगरी थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

आरोपी हर्षवर्धन झा पिता राजेश, जयेश कुमार पिता सुरेशचन्द्र खटीक और तूफान सिंह पिता बन्नेसिंह को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 10 मोबाइल, 2 लेपटॉप, 7 विभिन्न कंपनियों की मोबाइल सिम और 10 एटीएम चैकबुक व बैंक डायरी सहित घटना में उपयोग ली गई कार जब्त की थी। फिलहाल पुलिस आगे मामले की जांच में जुटी है।

शायराना उदयपुर की संगीत संध्या में गूंजे शेरो-शायरी, देशभक्ति गीत और वाद्य यंत्रों की मधुर लहरियाँ

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर. पिछले 15 वर्षों से साहित्य और संगीत प्रेमियों के लिए एक जीवंत मंच बना शायराना उदयपुर, इस माह भी कला, भावनाओं और देशप्रेम की त्रिवेणी लेकर आया। ऐश्वर्या कॉलेज के प्रांगण में आयोजित इस संगीतमय संध्या में देशभक्ति गीतों, शेरो-शायरी और वाद्य यंत्रों की अद्भुत प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती आभा सिरसीकर द्वारा की गई सरस्वती वंदना से हुई, जिसने माहौल को आध्यात्मिक और भावनात्मक बना दिया। इसके बाद केलवा के विख्यात सैक्सोफोन वादक श्री छोटू लाल ने "यह देश है वीर जवानों का" और "हे दुनिया उसी की" जैसी धुनें बजाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

देशभक्ति और शायरी का संगम

राजसमंद और कोटा से आए कलाकारों ने शेरो-शायरी और देशभक्ति गीतों से संध्या को विशेष बना दिया। "जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया...", "ए मेरे प्यारे वतन...", "संदेशे आते हैं..." जैसे गीतों ने हर दिल में देशप्रेम की अग्नि जलाई। राष्ट्रीय कवि सिद्धार्थ देवल की वीर रस की कविताएं सुनकर रोंगटे खड़े हो गए। प्रकाश नागौरी, विनोद रंगवानी, डॉ. सीमा वेद, प्रीति माथुर, हेमंत सूर्यवंशी, ललित गोयल सहित अनेक कवियों और गायक कलाकारों ने कार्यक्रम को ऊँचाइयाँ दीं।

जुगलबंदी ने बांधा समां

उस्ताद फैयाज खान और उनके शागिर्द राकेश माथुर की जुगलबंदी ने जैसे संगीत को जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुति से प्रभावित होकर एडिशनल एसपी हितेश मेहता भी मंच पर आ गए और संगीत में समाहित हो गए। मुख्य अतिथि की देशभक्ति प्रस्तुति मुख्य अतिथि डॉ. अजय मुर्दिया (फिल्म निर्माता व IVF विशेषज्ञ) फौजी वेशभूषा में पहुंचे और उन्होंने देशभक्ति गीत गाकर दर्शकों में जोश भर दिया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती कविता पाठक (अतिरिक्त आयुक्त, वाणिज्य कर) और श्री हरीश राजानी (पूर्व राज्य मंत्री) ने देशभक्ति और सामाजिक चेतना पर प्रेरणादायक विचार रखे।

विदेश तक पहुंची पहचान

इराक में भारत के राजदूत श्री धीरज जोशी ने कार्यक्रम को लाइव संबोधित किया, जो समारोह का गौरवपूर्ण क्षण रहा। इस अवसर पर मनोज आंचलिया और डॉ. सीमा वेद को उनके 21000 फीट लंबे वीरगाथा लेखन प्रोजेक्ट के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम प्रभारी श्री मोहन सोनी ने बताया कि यह संध्या हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भारतीय सेना के पराक्रम को समर्पित थी। उन्होंने "ए मेरे प्यारे वतन" गीत से समापन किया, जिससे उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं। उल्लेखनीय प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों में बिनु वैष्णव, चंद्र प्रकाश गंधर्व, मनीष जोशी, महमूद खान, देवेंद्र साहू, लक्ष्मी आसानी, पवन पारीक, गुलज़ार, अंबालाल साहू समेत कई स्थानीय और बाहर के कलाकार शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आभा सिरसीकर व मनोज आंचलिया ने किया। शायराना उदयपुर के संस्थापक मनोज गीतांकर ने बताया कि यह मंच पिछले 15 वर्षों से निःशुल्क मंच उपलब्ध कराकर कला और संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है।

राजस्थान में 8वीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित: 96.66% छात्र-पास, लड़कियों ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

24 न्यूज़ अपडेट

जयपुर. राजस्थान में 8वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी हो गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पाली जिले के रानी ब्लॉक स्थित डीओआईटी ऑफिस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जयपुर के शिक्षा संकुल से जुड़कर रिजल्ट की घोषणा की। इस वर्ष 12 लाख 22 हजार 369 छात्र सफल रहे, जिससे कुल परिणाम 96.66 प्रतिशत रहा। इस परीक्षा में छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 97.24 प्रतिशत अंक हासिल किए, जो कि लड़कों के 96.14 प्रतिशत से 1.10 प्रतिशत अधिक है। टॉप 5 जिलों में सीकर, दौसा, अजमेर, नागौर और चूरू शामिल हैं, जबकि धौलपुर, बारां, पाली, चित्तौड़गढ़ और करौली जिले के परिणाम सबसे कम रहे। ग्रेड के अनुसार 19.65% विद्यार्थियों ने 81 से 100 प्रतिशत अंक लेकर 'A' ग्रेड प्राप्त किया है, जिनकी संख्या 2 लाख 48 हजार 542 है। 'B' ग्रेड में 52.38% विद्यार्थी (6 लाख 62 हजार 367), 'C' ग्रेड में 24.46% (3 लाख 9 हजार 317) और 'D' ग्रेड में 0.17% (2 हजार 143) छात्र हैं। इस बार 41 हजार 368 छात्रों को सप्लीमेंट्री देना होगा। इस सेशन में कुल 12 लाख 64 हजार 618 विद्यार्थी परीक्षा में रजिस्टर थे। परीक्षा 20 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित हुई थी। कॉपी जांच और परिणाम जारी करने की प्रक्रिया जिलास्तरीय डाइट्स के माध्यम से की गई। परिणाम विभागीय पोर्टल "शाला दर्पण" और "पीएसपी" पर कंप्यूटर जनरेटेड ग्रेड शीट के रूप में उपलब्ध हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि आठवीं बोर्ड परीक्षा के बाद जल्द ही पांचवीं बोर्ड का परिणाम भी जारी किया जाएगा, हालांकि दोनों परिणाम अलग-अलग तारीखों पर जारी होंगे ताकि तकनीकी समस्याएं न आएं। पिछले साल 2024 में 8वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 95.72 प्रतिशत था, जिसमें सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 94.54 और प्राइवेट स्कूलों का 97.38 प्रतिशत था। इस बार के परिणाम ने पिछले साल की तुलना में सुधार दिखाया है।

रिश्वत लेने वाले विधायक की सदस्यता रद्द करने की मांग:पूर्व राज्य मंत्री बोले- प्रश्न लगाकर वसूली करने वाली पार्टी बीएपी

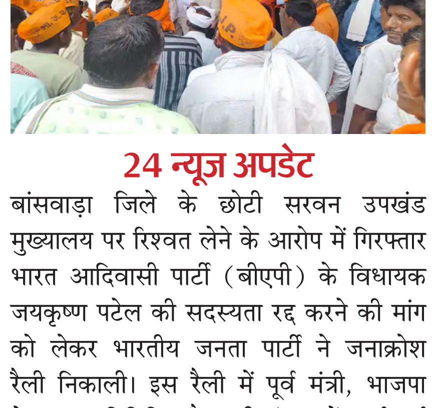

24 न्यूज़ अपडेट

बांसवाड़ा जिले के छोटी सरवन उपखंड मुख्यालय पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक जयकृष्ण पटेल की सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जनाक्रोश रैली निकाली। इस रैली में पूर्व मंत्री, भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

छोटी सरवन कस्बे में ढोल-नगाड़ों के साथ रैली निकाली, जिसमें जयकृष्ण पटेल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। रैली उपखंड कार्यालय पहुंची जहां भाजपा प्रतिनिधियों ने तहसीलदार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विधायक की तत्काल सदस्यता रद्द करने की मांग की गई है।

जयपुर में 50 लाख की चोरी करने वाले नौकर पति-पत्नी गिरफ्तार, सोने-हीरे के जेवरात व नकदी बरामद

24 न्यूज़ अपडेट

जयपुर,. जयपुर में एक शातिर नौकर और उसकी पत्नी ने अपने मालिक के घर से करीब 50 लाख रुपए के सोने, चांदी, हीरे के गहनों और नकदी लेकर फरार हो गए थे। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने बिहार के मधुबनी जिले से आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सारा माल बरामद कर लिया है। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित राजेन्द्र बाकलीवाल ने दो माह पहले ही अपने घर में काम करने के लिए दिनेश कुमार (22) पुत्र श्याम कृष्ण यादव और उसकी पत्नी चुन्नी उर्फ आरती को रखा था। 16 मई की शाम को जब परिवार बाजार गया था, उसी दौरान दिनेश और उसकी पत्नी ने चोरी को अंजाम दिया। परिवार के लौटने पर अलमारी में रखे पत्नी के दो सोने के हीरे लगी चूड़ियां, एक सोने की चेन, दो सोने की गिन्नियां, एक हीरे का गला हार, 3-4 सोने की अंगूठियां, लगभग तीन कैरेट का हीरा और अन्य कीमती जेवरात व नकदी गायब मिले। पुलिस को सूचना मिलते ही टीम ने तकनीकी मदद से आरोपियों की खोज शुरू की। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने दिनेश कुमार और उसकी पत्नी को उनके गांव धनौजा, मधुबनी (बिहार) से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी के सोने-हीरे के जेवरात, लगभग 2 लाख 60 हजार 400 रुपये नकद और दो विदेशी मुद्रा नोट भी बरामद हुए हैं। डीसीपी अमित कुमार ने कहा कि आरोपियों ने विश्वास का दुरुपयोग करते हुए अपने मालिकों के घर से यह भारी चोरी की, लेकिन पुलिस की सतर्कता और तकनीकी जांच से उन्हें पकड़ना संभव हुआ। दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।